



Kabra



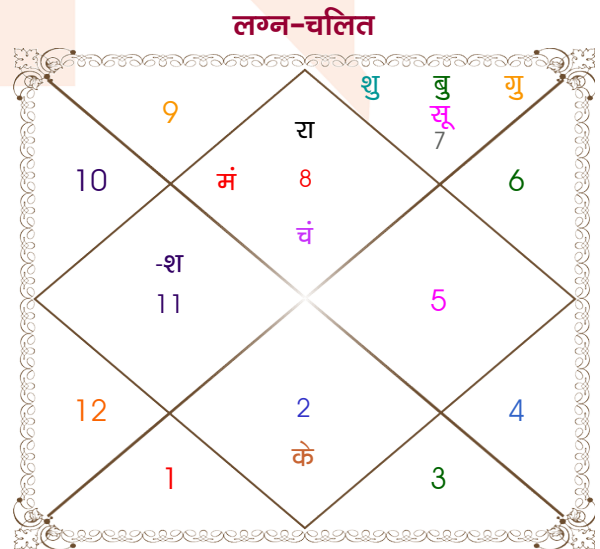
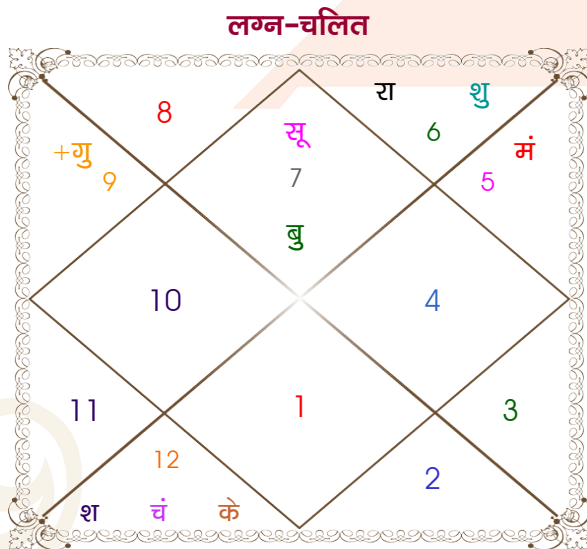
Baheti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121762205

पुल्लिंग : \_\_\_\_\_ लिंग \_\_\_\_\_ : स्त्रीलिंग  
 24-25/10/1996 : \_\_\_\_\_ जन्म तिथि \_\_\_\_\_ : 15/11/1993  
 गुरु-शुक्रवार : \_\_\_\_\_ दिन \_\_\_\_\_ : सोमवार  
 घंटे 05:16:00 : \_\_\_\_\_ जन्म समय \_\_\_\_\_ : 08:25:00 घंटे  
 घटी 59:06:47 : \_\_\_\_\_ जन्म समय(घटी) \_\_\_\_\_ : 06:28:49 घटी  
 India : \_\_\_\_\_ देश \_\_\_\_\_ : India  
 Kolkata : \_\_\_\_\_ स्थान \_\_\_\_\_ : Bikaner  
 22:34:00 उत्तर : \_\_\_\_\_ अक्षांश \_\_\_\_\_ : 28:01:00 उत्तर  
 88:21:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ रेखांश \_\_\_\_\_ : 73:22:00 पूर्व  
 82:30:00 पूर्व : \_\_\_\_\_ मध्य रेखांश \_\_\_\_\_ : 82:30:00 पूर्व  
 घंटे 00:23:24 : \_\_\_\_\_ स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_ : -00:36:32 घंटे  
 घंटे 00:00:00 : \_\_\_\_\_ ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_ : 00:00:00 घंटे  
 05:37:17 : \_\_\_\_\_ सूर्योदय \_\_\_\_\_ : 06:58:13  
 17:03:27 : \_\_\_\_\_ सूर्यास्त \_\_\_\_\_ : 17:43:57  
 23:48:46 : \_\_\_\_\_ चित्रपक्षीय अयनांश \_\_\_\_\_ : 23:46:31

| विंशोत्तरी<br>बुध 16वर्ष 1मा 20दि<br>शुक्र<br>15/12/2019<br>15/12/2039 | अंश      | राशि    | ग्रह   | राशि   | अंश      | विंशोत्तरी<br>शनि 1वर्ष 4मा 16दि<br>शुक्र<br>03/04/2019<br>03/04/2039 |
|--|----------|---------|--------|--------|----------|---|
| शुक्र  | 02:20:37 | तुला    | लग्न   | वृश्चि | 16:43:48 | शुक्र   |
| सूर्य  | 08:01:55 | तुला    | सूर्य  | तुला   | 28:59:04 | सूर्य   |
| चन्द्र   | 17:20:31 | मीन     | चंद्र  | वृश्चि | 15:41:56 | चन्द्र  |
| मंगल   | 03:12:44 | सिंह    | मंगल   | वृश्चि | 10:27:55 | मंगल  |
| राहु   | 02:43:58 | तुला    | बुध व  | तुला   | 12:45:26 | राहु  |
| गुरु   | 17:56:05 | धनु     | गुरु   | तुला   | 07:14:00 | गुरु  |
| शनि  | 00:45:51 | कन्या   | शुक्र  | तुला   | 13:47:01 | शनि   |
| बुध  | 08:06:28 | मीन व   | शनि    | कुंभ   | 00:08:09 | बुध   |
| केतु   | 14:08:39 | कन्या व | राहु   | वृश्चि | 09:13:57 | केतु  |
|  | 14:08:39 | मीन व   | केतु   | वृष    | 09:13:57 |   |
|  | 06:55:29 | मक      | हर्ष   | धनु    | 25:25:51 |   |
|  | 01:15:29 | मक      | नेप    | धनु    | 25:10:28 |   |
|  | 07:59:52 | वृश्चि  | प्लूटो | वृश्चि | 01:32:45 |   |



## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट          | वर     | कन्या    | अंक       | प्राप्त      | दोष | क्षेत्र         |
|--------------|--------|----------|-----------|--------------|-----|-----------------|
| वर्ण         | विप्र  | विप्र    | 1         | 1.00         | --  | जातीय कर्म      |
| वश्य         | जलचर   | कीटक     | 2         | 1.00         | --  | स्वभाव          |
| तारा         | सम्पत  | अतिमित्र | 3         | 3.00         | --  | भाग्य           |
| योनि         | गज     | मृग      | 4         | 2.00         | --  | यौन विचार       |
| मैत्री       | गुरु   | मंगल     | 5         | 5.00         | --  | आपसी सम्बन्ध    |
| गण           | देव    | देव      | 6         | 6.00         | --  | सामाजिकता       |
| भकूट         | मीन    | वृश्चिक  | 7         | 0.00         | हाँ | जीवन शैली       |
| नाड़ी        | अन्त्य | मध्य     | 8         | 8.00         | --  | स्वास्थ्य/संतान |
| <b>कुल :</b> |        |          | <b>36</b> | <b>26.00</b> |     |                 |

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Kabra का वर्ग सर्प है तथा ठीमजप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Kabra और ठीमजप का मिलान अत्युत्तम है।

### मंगलीक दोष मिलान

Kabra मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ठीमजप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ठीमजप कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा ।  
न मंगली मंगल राहु योग ।**

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ठीमजप कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।**

### त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Kabra कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Kabra तथा ठीमजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

### निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

